DT दीनार टाइम्स

21 राज्यों के 1558 छात्र सीएसए में ले रहे कृषि शिक्षा, राष्ट्रीय एकता और आधुनिक कृषि अनुसंधान का बन रहा केंद्र

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर देशभर के कृषि विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। विश्वविद्यालय के कानपुर परिसर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान देश के 21 राज्यों के कुल 1558 छात्र स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थियों की मौजूदगी विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक कृषि अनुसंधान का संगम बना रही है।

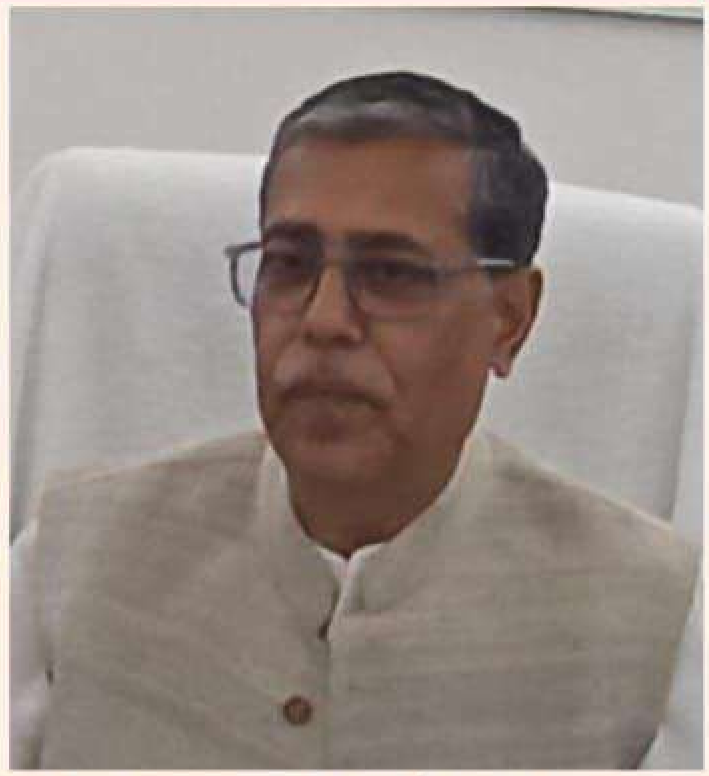

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अखिल भारतीय कोटे के माध्यम से देशभर के मेधावी विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें विश्वविद्यालय में प्रवेश दिया जाता है। इससे अलग-अलग राज्यों के छात्र एक ही परिसर में अध्ययन करते हुए कृषि क्षेत्र की नई चुनौतियों और संभावनाओं पर साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुकेश श्रीवास्तव के अनुसार विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश के 1291 तथा अन्य 20 राज्यों के 267 छात्र अध्ययनरत हैं। इनमें बिहार (75), राजस्थान (74), तेलंगाना (19), मध्य प्रदेश (16), हरियाणा (11), ओडिशा (11), उत्तराखंड (10), महाराष्ट्र (9), आंध्र प्रदेश (8), मणिपुर (7), छत्तीसगढ़ (6), झारखंड (5), पंजाब (3), तमिलनाडु (3), मेघालय (3), पश्चिम बंगाल (2), असम (2), दिल्ली (1), हिमाचल प्रदेश (1) और कर्नाटक (1) के विद्यार्थी शामिल हैं।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि विभिन्न राज्यों के छात्रों का एक साथ अध्ययन करना एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करता है। इससे विद्यार्थियों को देश के अलग-अलग क्षेत्रों की मिट्टी, जलवायु, फसल प्रणाली, कृषि तकनीकों और किसानों की समस्याओं को समझने का अवसर मिलता है। विविध अनुभवों के आदान-प्रदान से कृषि अनुसंधान और नवाचार को भी नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल कृषि शिक्षा ही नहीं दे रहा, बल्कि विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, खान-पान और जीवनशैली से भी परिचित करा रहा है। इससे उनमें राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और व्यावसायिक दृष्टिकोण का विकास हो रहा है। सीएसए प्रशासन का मानना है कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले विद्यार्थियों के बीच ज्ञान और अनुभव का यह साझा मंच भविष्य में भारतीय कृषि को अधिक आधुनिक, वैज्ञानिक और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

The Pioneer
www.dailypioneer.com
facebook.com/dailypioneer @TheDailyPioneer
instagram.com/dailypioneer linkedin.com/in/dailypioneer
TRUSTED SINCE 1865
LUCKNOW | MONDAY, JULY 27, 2026 | PAGES 16 | ₹3.00
RNI No. 2016/1957 Late City Vol.162 Issue 203
PUBLISHED FROM: DELHI LUCKNOW BHOPAL RAIPUR BHUBANESWAR RANCHI CHANDIGARH DEHRADUN HYDERABAD VIJAYAWADA

large numbers on August 5 and tell the government that they would fight till the last breath and get their rights.

National Advisor Rajesh Kumar Shukla stated that the pension process is at its final stage and the government is seriously considering a speedy decision on the demands.

The meeting was addressed by Abhinandan Kumar Pandey, Jai Roop Singh Parihar, Anoop Kumar Kushwaha, Gyan Prakash Pathak and others.

CSAUA&T V-C: Students from 21 states studying agriculture

Vice-Chancellor of Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T), Kanpur, Dr Sanjeev Gupta, informed that in the academic year 2025-26, students from 21 states of the country are pursuing agricultural education in undergraduate, postgraduate and PhD courses at the university's Kanpur campus.

Dean (Student Welfare) Dr Mukesh Srivastava said that a total of 1,558 students are studying. Vice-Chancellor Dr Sanjeev Gupta said that meritorious students from across the country are allotted seats in the university through the All India Quota of ICAR. Dr Gupta stated that it is a matter of pride that students from 21 states study on the same campus, which promotes cultural diversity and unity.

विश्ववार्ता
विश्ववार्ता
सच्ची ख़बर, पैनी नज़र
सोमवार, 27 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 16, मूल्य: ₹4/- | www.vishwavarta.com | मीरा

देश के 21 राज्यों के होनहार सीएसए में पा रहे कृषि शिक्षा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि विवि परिसर में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में देश के 21 राज्यों के छात्र कृषि शिक्षा ले रहे हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश 1291, बिहार 75, राजस्थान 74, तेलंगाना 19, मध्य प्रदेश 16, हरियाणा 11, उड़ीसा 11, उत्तराखंड 10, महाराष्ट्र 9, आंध्र प्रदेश 8,मणिपुर 7, छत्तीसगढ़ 6, झारखंड 5, पंजाब 3, तमिलनाडु 3, मेघालय 3, पश्चिम बंगाल 2, असम 2, दिल्ली 1, हिमाचल प्रदेश 1 एवं कर्नाटक से 1 कुल 1558 छात्र अध्यनरत हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 1291 जबकि दूसरे प्रांतों के 267 छात्र कृषि शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर के अखिल भारतीय कोट के माध्यम से देश भर के मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय में सीट अलॉट होती है डॉक्टर गुप्ता ने बताया कि यह गर्व की बात है कि विवि में 21 प्रांतों के छात्रों का एक ही परिसर में पढ़ना संस्कृति विविधता और एकता को बढ़ावा देता है उन्होंने कहा कि छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों की मिट्टी, फसलों और कृषि चुनौतियों को समझने का मौका मिलता है। साथ ही विभिन्न पृष्ठभूमि वाले छात्र मिलकर कृषि समस्याओं के लिए बेहतर और व्यावहारिक समाधान खोज सकते हैं। कृषि शिक्षा के साथ-साथ छात्र अलग-अलग राज्यों की भाषा, खान-पान एवं जीवन शैली भी सीखते हैं।

सीएसए में 21 राज्यों के छात्र ले रहे कृषि शिक्षा

कुलपति डॉ संजीव गुप्ता

दि ग्राम टुडे,संजय मौर्य, यूपी हेड,कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) देश की कृषि शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। विश्वविद्यालय के कानपुर परिसर में शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के दौरान स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में देश के 21 राज्यों के 1,558 छात्र अध्ययनरत हैं।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के मेधावी छात्र आईसीएआर के अखिल भारतीय कोटा एवं अन्य प्रवेश प्रक्रियाओं के माध्यम से अध्ययन कर रहे हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुकेश श्रीवास्तव के अनुसार विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश के 1,291 तथा अन्य राज्यों के 267 छात्र कृषि शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनमें बिहार, राजस्थान, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब, तमिलनाडु, मेघालय, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के विद्यार्थी शामिल हैं।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि एक ही परिसर में देश के 21 राज्यों के विद्यार्थियों का अध्ययन करना सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता का सशक्त उदाहरण है। इससे छात्रों को विभिन्न राज्यों की मिट्टी, फसलों, कृषि तकनीकों और चुनौतियों को समझने का अवसर मिलता है, साथ ही वे मिलकर कृषि क्षेत्र की समस्याओं के व्यावहारिक समाधान विकसित करने में सक्षम होते हैं।

उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा के साथ–साथ छात्र विभिन्न राज्यों की भाषा, खान–पान, संस्कृति और जीवनशैली से भी परिचित होते हैं, जिससे उनका व्यक्तित्व बहुआयामी रूप से विकसित होता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक लखनऊ, कानपुर नगर, गोरखपुर, प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित R.N.I.No.UPHIN/2021/84863

213
सोमवार,
26

भोलेनाथ टाइम्स

Email: bholenathtimes@gmail.com
कानपुर नगर से प्रकाशित
भक्तों पर ह

सीएसए में देश के 21 राज्यों के होनहार पा रहे कृषि शिक्षा

कानपुर नगर(बीएनटी संवाददाता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय के कानपुर परिसर में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में देश के 21 राज्यों के छात्र कृषि शिक्षा ले रहे हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश 1291, बिहार 75, राजस्थान 74, तेलंगाना 19, मध्य प्रदेश 16, हरियाणा 11, उड़ीसा 11, उत्तराखंड 10, महाराष्ट्र 9, आंध्र प्रदेश 8, मणिपुर 7, छत्तीसगढ़ 6, झारखंड 5, पंजाब 3, तमिलनाडु 3, मेघालय 3, पश्चिम बंगाल 2, असम 2, दिल्ली 1, हिमाचल प्रदेश 1 एवं कर्नाटक से 1 कुल 1558 छात्र अध्यनरत हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के 1291 जबकि दूसरे प्रांतों के 267 छात्र कृषि शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर के अखिल भारतीय कोट के माध्यम से देश भर के मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय में सीट अलॉट होती है। डा. गुप्ता ने बताया कि यह गर्व की बात है कि विवि में 21 प्रांतों के छात्रों का एक ही परिसर में पढ़ना संस्कृति विविधता और एकता को बढ़ावा देता है उन्होंने कहा कि छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों की मिट्टी, फसलों और कृषि चुनौतियों को समझने का मौका मिलता है। साथ ही विभिन्न पृष्ठभूमि वाले छात्र मिलकर कृषि समस्याओं के लिए बेहतर और व्यावहारिक समाधान खोज सकते हैं। कृषि शिक्षा के साथ-साथ छात्र अलग-अलग राज्यों की भाषा, खान-पान एवं जीवन शैली भी सीखते हैं।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 18 अंक : 29 कानपुर, सोमवार 27 जुलाई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सीएसए में देश के 21 राज्यों के होनहार पा रहे कृषि शिक्षा

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय के कानपुर परिसर में शैक्षणिक वर्ष 2025 ट्ठ26 में स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में देश के 21 राज्यों के छात्र कृषि शिक्षा ले रहे हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश 1291, बिहार 75, राजस्थान 74, तेलंगाना 19, मध्य प्रदेश 16, हरियाणा 11, उड़ीसा 11, उत्तराखंड 10, महाराष्ट्र 9, आंध्र प्रदेश 8,मणिपुर 7, छत्तीसगढ़ 6, झारखंड 5, पंजाब 3, तमिलनाडु 3, मेघालय 3, पश्चिम बंगाल 2, असम 2, दिल्ली 1, हिमाचल प्रदेश 1 एवं कर्नाटक से 1 कुल 1558 छात्र अध्यनरत हैं।

सीएसए बना राष्ट्रीय कृषि शिक्षा का केंद्र

21 राज्यों के 1558 छात्र कर रहे पढ़ाई

कानपुर (वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) देशभर के विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय के कानपुर परिसर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान स्नातक, परास्नातक और पीएचडी पाठ्यक्रमों में देश के 21 राज्यों के कुल 1558 छात्र अध्ययन कर रहे हैं।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अखिल भारतीय कोटा के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय में प्रवेश मिलता है। इससे संस्थान में देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रतिभाशाली छात्र कृषि शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुकेश श्रीवास्तव के अनुसार, विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश के सबसे अधिक 1291 छात्र अध्ययनरत हैं। इसके अलावा बिहार के 75, राजस्थान के 74, तेलंगाना के 19, मध्य प्रदेश के 16, हरियाणा और ओडिशा के 11-11, उत्तराखंड के 10, महाराष्ट्र के 9, आंध्र प्रदेश के 8, मणिपुर के 7, छत्तीसगढ़ के 6, झारखंड के 5, पंजाब, तमिलनाडु और मेघालय के 3-3, पश्चिम बंगाल और असम के 2-2 तथा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के एक-एक छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस प्रकार विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के 267 विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि एक ही परिसर में 21 राज्यों के विद्यार्थियों का अध्ययन करना %एक भारत, श्रेष्ठ भारत% की भावना को मजबूत करता है। इससे छात्रों को विभिन्न राज्यों की मिट्टी, फसलों, कृषि पद्धतियों और कृषि संबंधी चुनौतियों को समझने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि विविध पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थी एक-दूसरे के अनुभव साझा करते हैं, जिससे कृषि क्षेत्र की समस्याओं के बेहतर और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद मिलती है। कृषि शिक्षा के साथ-साथ छात्र विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, खान-पान और जीवनशैली से भी परिचित होते हैं, जिससे उनमें राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता की भावना मजबूत होती है।

हिंदुस्तान 27/06/2026

21 राज्यों के छात्र कानपुर में सीख रहे कृषि

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में 21 राज्यों के छात्र-छात्राएं विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लेकर अत्याधुनिक कृषि सीख रहे हैं। विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में देश के 21 राज्यों के 1558 छात्र-छात्राओं ने स्नातक, परास्नातक और पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रम में कृषि शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अलग-अलग राज्यों के छात्र अलग-अलग भाषा, खान-पान और जीवनशैली को अपना रहे हैं।

Lok Bharti Digital | Lokbhartipage | lokbhartiDigit-1 | Lokbhartidigi

लोक भारती

कानपुर | सोमवार | 27 जुलाई, 2026

कानपुर-लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

सीएसए में देश के 21 राज्यों के होनहार पा रहे कृषि शिक्षा

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय के कानपुर परिसर में शैक्षणिक वर्ष 2025 -26 में स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में देश के 21 राज्यों के छात्र कृषि शिक्षा ले रहे हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश 1291, बिहार 75, राजस्थान 74, तेलंगाना 19, मध्य प्रदेश 16, हरियाणा 11, उड़ीसा 11, उत्तराखंड 10, महाराष्ट्र 9, आंध्र प्रदेश 8,मणिपुर 7, छत्तीसगढ़ 6, झारखंड 5, पंजाब 3, तमिलनाडु 3, मेघालय 3, पश्चिम बंगाल 2, असम 2, दिल्ली 1, हिमाचल प्रदेश 1 एवं कर्नाटक से 1 कुल 1558 छात्र अध्यनरत हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के 1291 जबकि दूसरे प्रांतों के 267 छात्र कृषि शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर के अखिल भारतीय कोट के माध्यम से देश भर के मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय में सीट अलॉट होती है डॉक्टर गुप्ता ने बताया कि यह गर्व की बात है कि वि.वि. में 21 प्रांतों के छात्रों का एक ही परिसर में पढ़ना संस्कृति विविधता और एकता को बढ़ावा देता है उन्होंने कहा कि छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों की मिट्टी,फसलों और कृषि चुनौतियों को समझने का मौका मिलता है। साथ ही विभिन्न पृष्ठभूमि वाले छात्र मिलकर कृषि समस्याओं के लिए बेहतर और व्यावहारिक समाधान खोज सकते हैं।कृषि शिक्षा के साथ-साथ छात्र अलग-अलग राज्यों की भाषा,खान-पान एवं जीवन शैली भी सीखते हैं।

सीएसए में 21 राज्यों के छात्रों ने लिया दाखिला

कानपुर। सीएसए की मिट्टी में कई राज्यों की संस्कृति, भाषा, रहन सहन के फूल खिल रहे हैं। यहां 2025-26 में स्नातक, परास्नातक, पीएचडी में 21 राज्यों के छात्र-छात्राओं और शोधार्थियों ने दाखिला लिया है। उनकी बोल चाल भले ही अलग है, लेकिन कृषि के क्षेत्र में कुछ करने और किसानों की आय बढ़ाने का जज्बा भरा हुआ है। उनकी विविधता में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक मिलती है। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय में आईसीएआर के अखिल भारतीय कोटा के माध्यम से देशभर के मेधावी छात्रों को प्रवेश मिलता है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के साथ-साथ बिहार, राजस्थान, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उड़ीसा, उत्तराखंड समेत कई राज्यों के छात्र यहां पढ़ाई कर रहे हैं। (ब्यूरो)

अमर उजाला 27/06/2026